अध्याय : 6

भिन्न संख्याएँ

एक दिन मुन्नू और रानी दोनों खाना खा रहे थे। दोनों जल्दी से अपना खाना खत्म कर उन किताबों को देखना चाह रहे थे जो पिताजी लाए थे। कहानियों की रंगीन और सुन्दर किताबें।

उनकी हड़बड़ी देखकर माँ ने डाँट लगाई– "आराम से पेटभर खाओ।"

मुन्नू ने कहा–"मेरा पेट तो भर गया है माँ।"

"मेरा भी" रानी ने झट से कहा।

"मुझे मालूम है तुम लोग भागना चाहते हो। एक-एक रोटी और खा लो फिर उठ जाना।"

यह कहकर माँ ने एक रोटी रानी की थाली में डाली और दूसरी रोटी मुन्नू की थाली में डालने लगी।

मुन्नू ने कहा–"माँ मैं दीदी से आधी रोटी ले लेता हूँ।"

ऐसा कहकर उसने दीदी की थाली से रोटी उठाई। एक छोटा टुकड़ा तोड़कर खुद ले लिया और बड़ा टुकड़ा रानी की थाली में डाल दिया। उसने कहा– "दीदी आधी रोटी मैंने ले ली, आधी तुम खा लो।"

रानी ने अपना टुकड़ा उठाया और थोड़े गुस्से से बोली– "यह आधा नहीं है सत्यानाश.....। खुद ने तो छोटा ले लिया, मुझे बड़ा दे दिया।"

मुन्नू ने कहा , "गुस्सा क्यों करती हो? मैं छोटा हूँ तो मेरी आधी रोटी भी छोटी है। तुम बड़ी हो तो तुम्हारी आधी रोटी बड़ी होनी चाहिए न।"

ऐसा नहीं होता मुन्नू.....। अगर तुमने ये दोनों टुकड़े बराबर-बराबर तोड़े होते तब कह सकते थे– पहला टुकड़ा आधा है और दूसरा टुकड़ा भी आधा है।

"अच्छा! अगर इस रोटी में माँ को भी हिस्सा देना होता तब क्या करते?

तब रोटी के तीन बराबर-बराबर टुकड़े करते।" राधा ने कहा।

"क्या इन टुकड़ों को भी आधा कर सकते हैं?" मुन्नू ने पूछा।

"नहीं! इन टुकड़ों में से हर एक टुकड़ा एक तिहाई कहलाता है।" रानी बोली।

"माँ, क्या दीदी ठीक बोल रही है?"

"हाँ, बेटा दीदी ठीक बोल रही है।"

"लेकिन ये कैसे पता चलेगा कि टुकड़े बराबर हैं?" मुन्नू ने फिर पूछा।

हूँ बड़ा अच्छा सवाल किया तुमने .....। खाना खाकर उठो। तुम्हें कुछ चित्र देती हूँ। उसे देखना और दीदी से बात करना।

माँ ने मुन्नू को जो चित्र दिखाए वे ऐसे थे। आप भी इन्हें देखिए और पहचानिए–

कौन-कौन से चित्र दो बराबर भाग में बँटे हैं? उन पर ✓ निशान लगाइए–

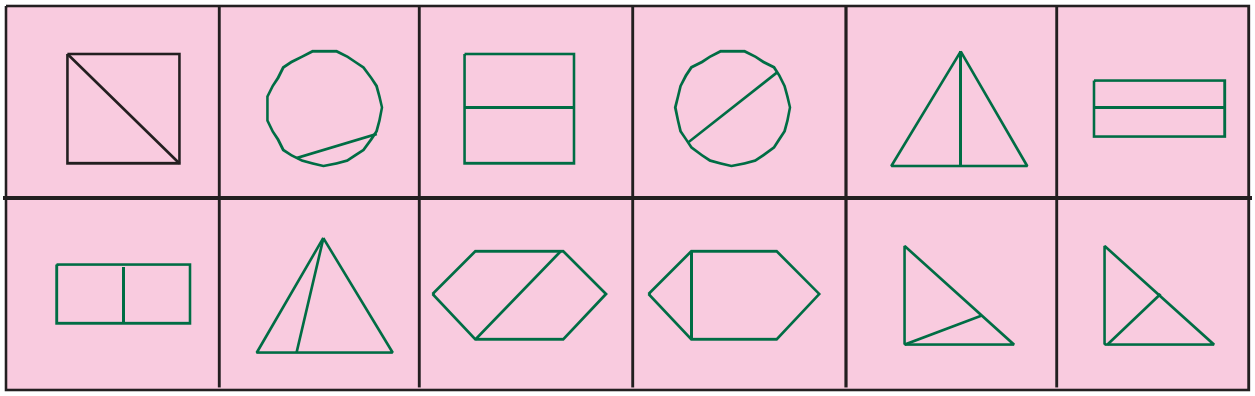

अब तीन बराबर भाग वाले चित्रों पर ✓ निशान लगाइए–

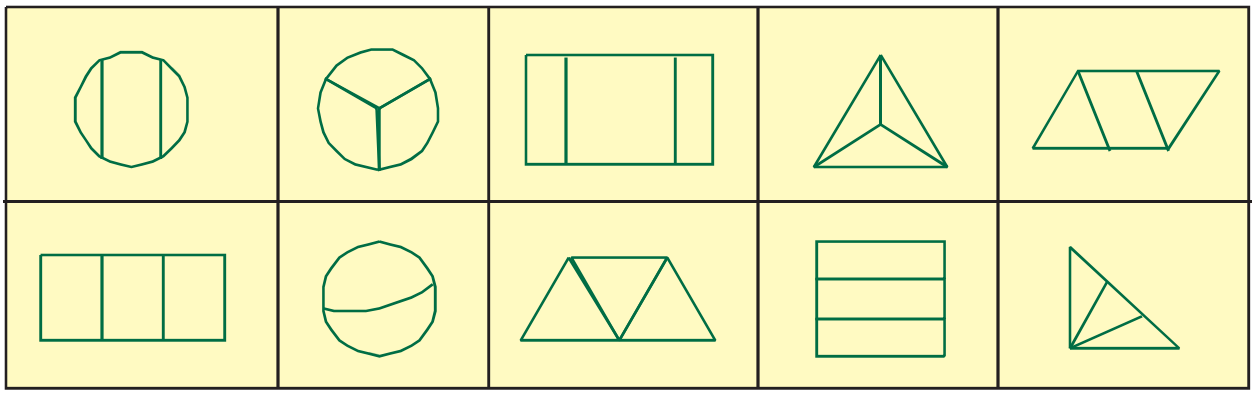

चार बराबर भाग वाले चित्रों पर ✓ निशान लगाइए–

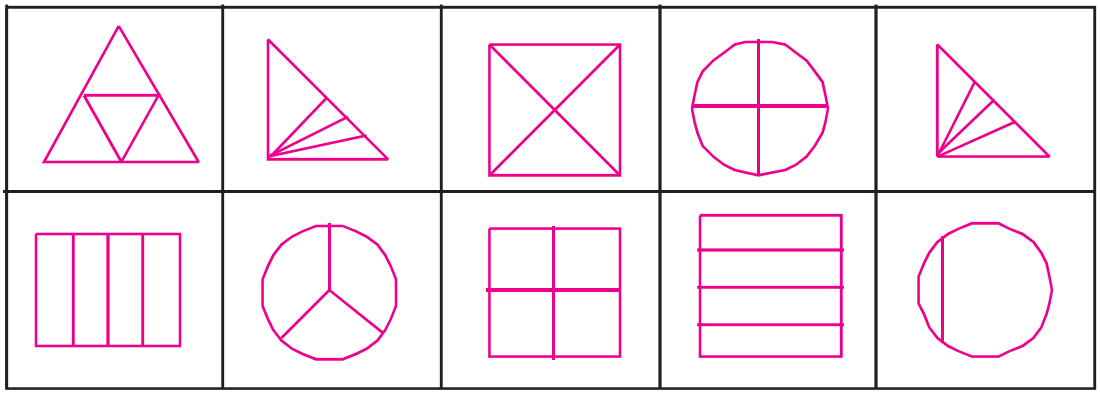

अब चलें एक कागज को दो बराबर भागों में बाँटें–

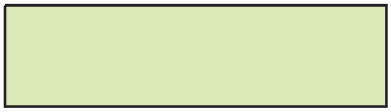

एक कागज लीजिए।

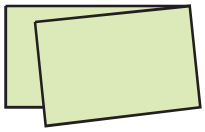

कागज के दोनों छोर को मिलाकर बीच से मोड़िए।

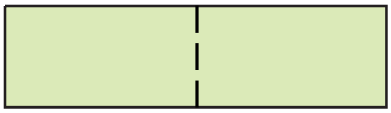

बीच में निशान बन जाएगा।

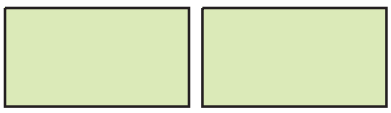

निशान पर कागज को फाड़ने पर कागज दो बराबर भागों में बँट जाएगा।

दोनों बराबर भागों को कागज का आधा-आधा कहते हैं।

दोनों आधा मिलाने पर एक पूरा बनता है।

इस तरह किसी वस्तु को दो बराबर भागों में बाँटने पर दोनों भाग उस वस्तु का आधा-आधा कहलाते हैं।

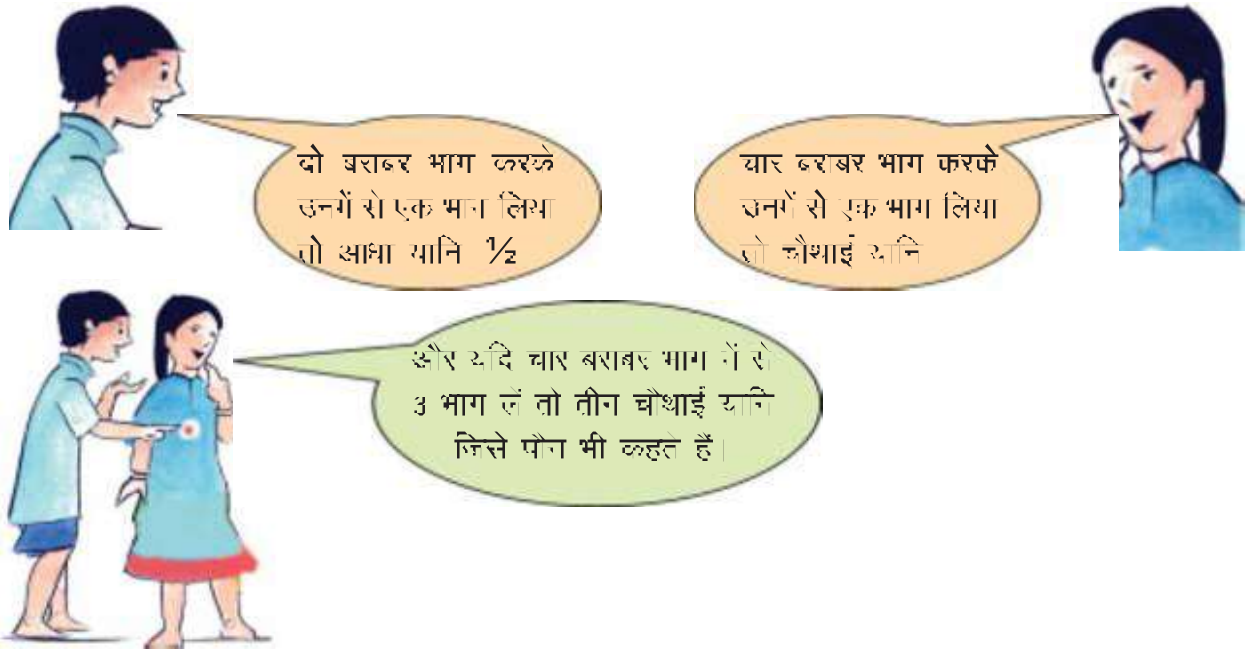

दी गई आकृतियों में रंगीन भाग कितना है? आधा, पौन, एक तिहाई या एक चौथाई लिखिए।

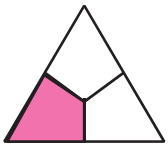	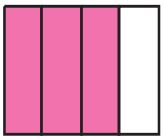	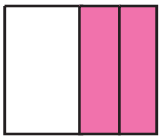	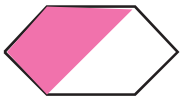	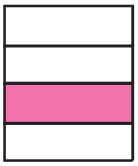 .....
.....	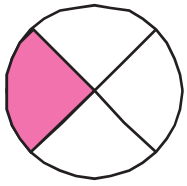	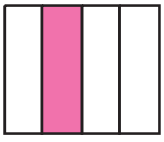	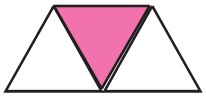	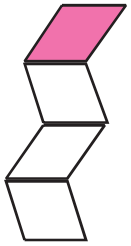 .....

दी गई आकृतियों में रंगीन हिस्सा पूरे का कितना है, पहचानिए और लिखिए।

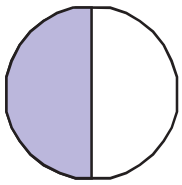	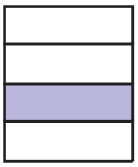	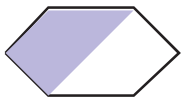	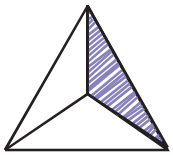 .....
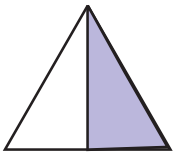	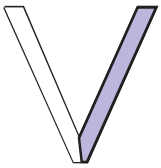	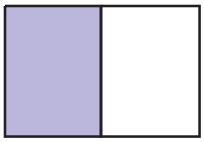	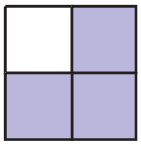 .....

आकृति के इतने भाग में रंग भरें जितना उसके नीचे लिखा है।

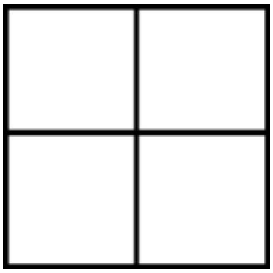

$\frac{1}{2}$

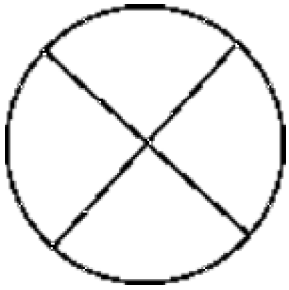

3

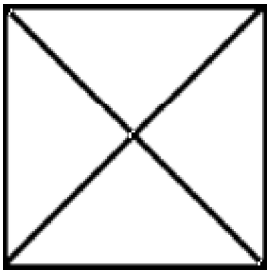

1

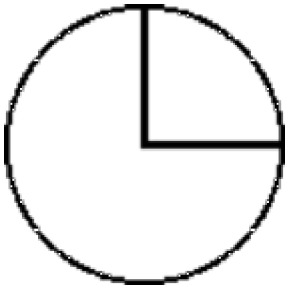

$\frac{3}{4}$

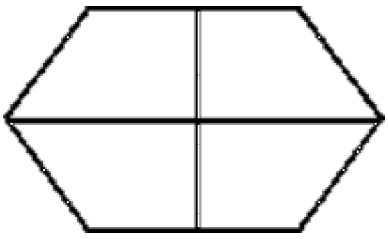

$\frac{2}{4}$

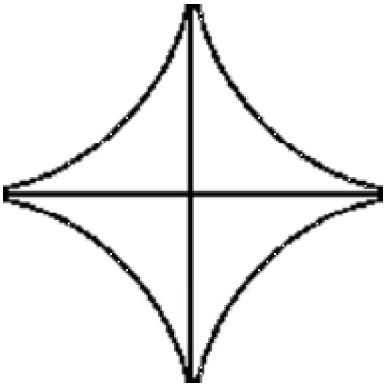

$\frac{1}{4}$

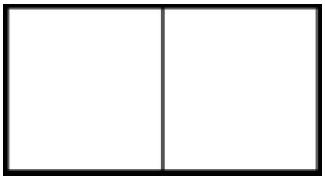

$\frac{1}{2}$

$\frac{1}{2}$ (आधा) चित्र दिया गया है। बचे हुए आधे को आप बनाइए–

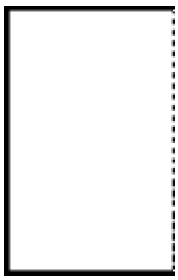
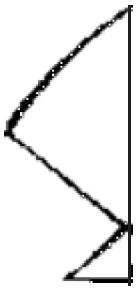

इसी तरह आप भी एक-दूसरे को आधा चित्र बनाकर दें और फिर उन्हें पूरा करने को कहें।

हर समूह के आधे $(\frac{1}{2})$ भाग पर घेरा लगाइए–

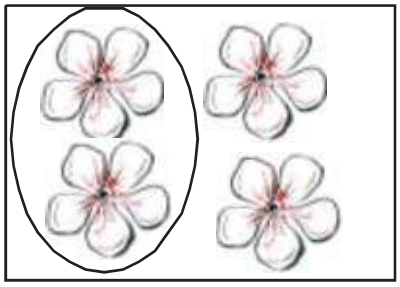
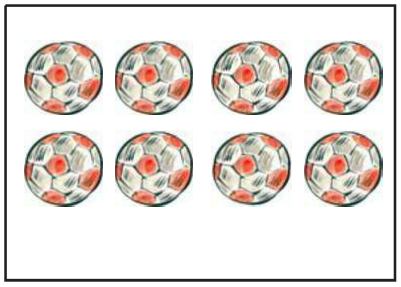
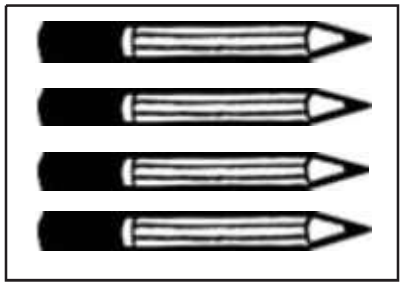

कुल फूल = 4

4 के आधे = 2

कुल फुटबॉल ———

——— की आधी ———

कुल पेंसिल ———

——— की आधी ———

हर समूह के चौथाई $(\frac{1}{4})$ पर घेरा लगाइए–

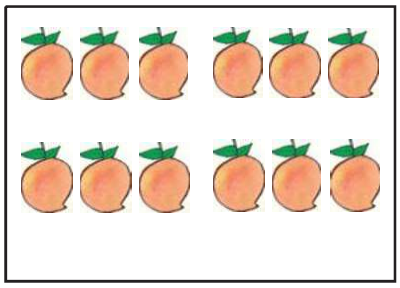
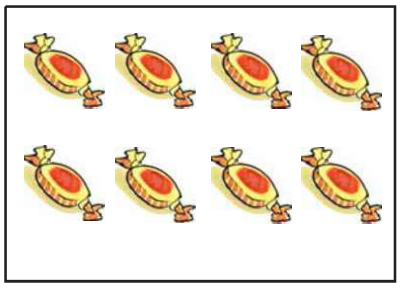
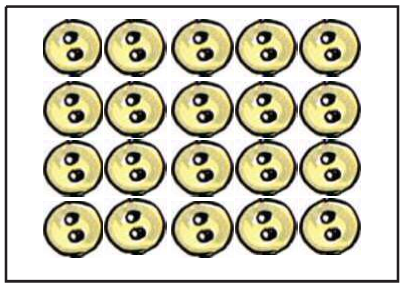

12 आम

कुल आम = 12

12 का चौथाई = 3

8 टॉफी

.....

.....

20 बटन

.....

.....

हर समूह के तीन चौथाई ($\frac{3}{4}$) पर घेरा लगाइए–

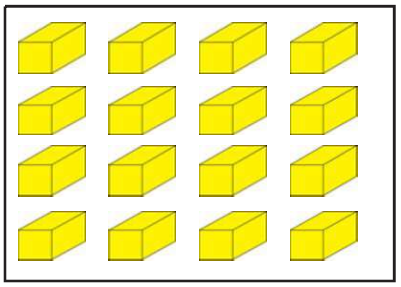

16 रबर

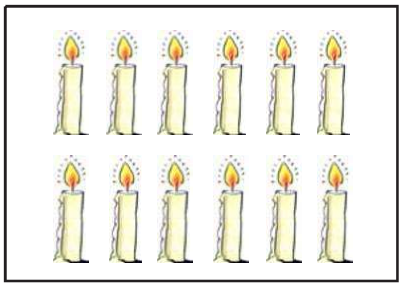

12 मोमबत्ती

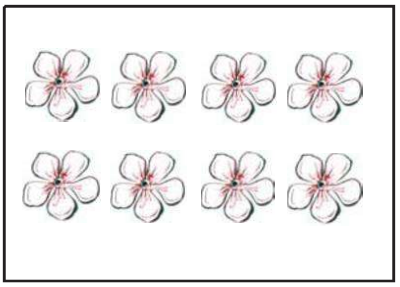

आठ फूल

कुल रबर 16 ———— ————

16 का तीन चौथाई = 12 ———— ————

निम्न संख्या के अनुसार चित्र को बाँटें। बाँटे गए चित्रों में रंग भरिए–

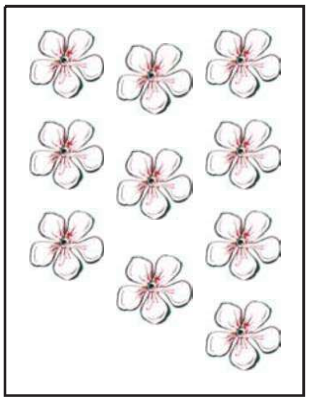

$\frac{1}{2}$ (एक आधा)

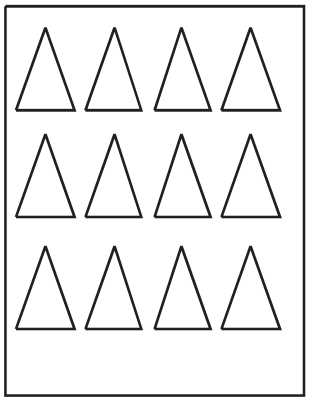

$\frac{2}{4}$ (दो चौथाई)

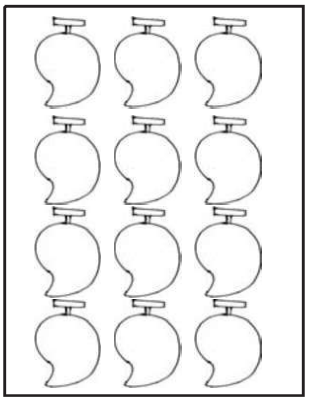

$\frac{3}{4}$ (तीन चौथाई)

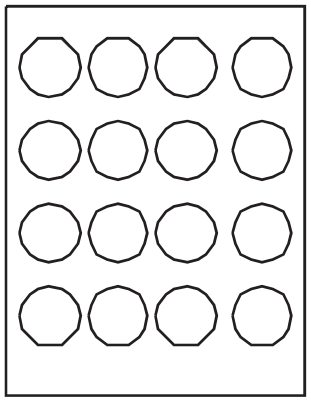

$\frac{1}{4}$ (एक चौथाई)